Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to make Punjabi language as an official language of Chandigarh.

श्री धर्म वीर गांधी (पटियाला): मैं सरकार का ध्यान इस अति दुखद तथ्य की तरफ दिलाना चाहता हूँ कि चंडीगढ़ शहर पंजाब के दर्जनों गाँवों को उजाड़कर पंजाब की राजधानी के तौर पर विकसित किया गया था जिस पर पंजाब का नैसर्गिक अधिकार है । यह हमारी पहचान ही की नहीं, हमारी सभ्यता सरकार व संस्थाओं तक संस्कृति का भी केन्द्र है ।

परंतु दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारी अपनी ही राजधानी ने हमारी मातृभाषा का तिरस्कार करके, अंग्रेजी भाषा, जो कि भाषाओं सूची में दर्ज भी नहीं है और हिंदी भाषा, जिसे भारतीय संविधान राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं देता, उन भाषाओं का वर्चस्व कायम किया जा रहा है । जो हम सभी पंजाबियों को कतई मंजूर नहीं है । सरकार से अनुरोध है कि हमारी मातृभाषा पंजाबी को हमारी राजधानी में सरकारी भाषा का दर्जा दिया जाये और शिक्षा, सरकारी कामकाज व न्याय प्रणाली में इसके उपयोग को वरीयता दी जाये।